# एसआरटी एग्रो साइंस प्रा. लि.

ग्राम–फुण्डा,तह.–पाटन,जिला–दुर्ग(छत्तीसगढ़)

## ( धान/गेंहूं के एक एकड़ की खेती के लिये )

| क्र. | रोग / बीमारी | उत्पाद | मात्रा प्रति एकड़ | उपयोगिता | सावधानी |
|---|---|---|---|---|---|
| 1. | **बीजोपचार**<br>इण्डोफा कैप्स , बैसिलस कैप्स को 15 लीटर पानी में घोल लें । इस घोल के 500मि.ली.में 10–15 कि.ग्रा. बीजों को मिलाकर एक समान लेपन करे फिर 30 मिनट तक छाया में सुखाकर तुंरत बोवाई करें । षेष बचे हुए घोल को पर्याप्त मात्रा में रेत या गोबर खाद में मिलाकर प्रति एकड़ की दर से छिड़काव करें। | इण्डोफा कैप्स<br>बैसिलस कैप्स | 1कैप्सूल<br>+<br>1कैप्सूल | बीजों की अंकुरण क्षमता बढ़ाता है। | रासायनिक फफूंदीनाषक एवं जीवाणुनाषक नहीं मिलायें ।<br><br>तैयार बायोकैप्सूल घोल को बीजोपचार और भूमि उपचार के लिए तुरंत उपयोग करें। |
| 2. | **भूमिउपचार**<br>एजोस कैप्स और पीएसबी प्लस कैप्स को 200लीटर पानी में घोलकर प्रति एकड़ की दर से ड्रिप से दें या कैप्सूल को 15 लीटर पानी में घोलकर 40–50कि.ग्रा. रेत या गोबर खाद मे मिलाकर प्रति एकड़ की दर से रोपाई या बोवाई के दौरान दें। | एज़ोसकैप्स | 2 कैप्सूल | यूरिया की मात्रा 50 प्रतिषत तक कम करेगा,फॉस्फोरस की कमी को पूरी करेगा एवं (डी ए पी ) की मात्रा कम करेगा। जड़ों का विकास कर भूमि में रहने वाले तत्वों को पौधों को उपलब्ध कराता है । | रासायनिक फफूंदीनाषक एवं जीवाणुनाषक नही मिलायें । |
| | | पी.एस.बी. प्लसकैप्स | 1 कैप्सूल | | |
| | | माइकोराईजा (माइकोमार्षल) | 3 कि.ग्रा. प्रति एकड़ | | |
| | | ह्यूमिग्रो (ग्रेन्युल) (ह्यूमिक एसिड ) | 5 कि.ग्रा. प्रति एकड़ | | |
| | | एसआरटीप्रॉम | 50कि.ग्रा. प्रति एकड़ | | |
| 3. | **<u>फसल की अच्छी बढ़वार के लिए</u>**–बोवाई या रोपाई के 20–30 दिन के बादएक एकड़ में छिड़काव करें । | क्रॉपफोर्स (बायोझाइम) (ग्रेन्युल)<br>+<br>एनपीके (ग्रेन्युल) 6:12:10 | 5 कि.ग्रा. प्रति एकड़<br>+<br>50कि.ग्रा. प्रति एकड़ | फसल की अच्छी बढ़वार एवं तने की मोटाई बढ़ाता है जिससे पौधे गिरते नहीं है। | रासायनिक फफूंदीनाषक एवं जीवाणुनाषक नहीं मिलायें । |

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| 4 | **<u>रोपाई या बोवाई के 40–50 दिन केबाद</u>**–जिंक ग्रो कैप्स और पोटाषग्रो कैप्स को 200लीटर पानी में घोलकर प्रति एकड़ की दर से ड्रिप से दें या कैप्सूल को 15 लीटर पानी में घोलकर 40–50कि.ग्रा. रेत या गोबर खाद मे मिलाकर प्रति एकड़ की दर से छिड़काव करें । | पोटाष ग्रो कैप्स<br>+<br>जिंक ग्रो कैप्स | 1कैप्सूल<br>+<br>1कैप्सूल | धान की उपज को बढ़ाता है। | अघुलनषील जिंक और पोटेषियम को घुलनषील अवस्था में पौधों को उपलब्ध कराता है। |
| 5. | **<u>उत्पादन अधिक लेने के लिए</u>**–पौधो मे बाली आने के समय एक एकड़ में छिड़काव करें। | ऐल्प | (ग्रेन्युल)<br>5 कि.ग्रा.<br>प्रति<br>एकड़ | अत्यधिक उत्पादन एवं गुणवत्ता लाने के लिए । दानों का वजन बढ़ाने एवं बाली की लंबाई बढ़ाने के लिए जिससे उत्पादन में बढ़ोत्तरी होती है । | |
| 6 | **रोगों से रोकथाम के लिए–** | इण्डोफा कैप्स<br>बैसिलस कैप्स<br>पैकलिक कैप्स | 1कैप्सूल<br>+<br>1कैप्सूल<br>+<br>1कैप्सूल | कैप्सूल्स को 200लीटर पानी में घोलकर ड्रिप से दें या कैप्सूल को 50लीटर पानी में घोलकर पर्याप्त मात्रा में रेत या गोबर खाद में मिलाकर प्रति एकड़ की दर से छिड़काव करें। | |
| 7 | **कीटों से रोकथाम और बेहतर उपज के लिए (सभी प्रकार इल्लियों और रसचूसक कीटों के लिए)–** | ट्रेप्स कैप्स<br><br>लाईफ लाईन कैप्स<br><br>सोनहा बिहान | 1कैप्सूल<br>+<br>1कैप्सूल<br><br>250ग्राम | ट्रेप्स **कैप्स**,लाईफ लाईन **कैप्स** और सोनहा बिहान को 200लीटर पानी में घोलकर स्प्रे से छिड़काव करें। | ट्रेप्स **कैप्स+** लाईफ लाईन **कैप्स** और सोनहा बिहान को अलग अलग घोल बनाकर एक साथ टेंक में मिक्स कर तुरंत स्प्रे करें। |

**नोट :– 1 रसचूसक कीटों और इल्लियों की रोकथाम के लिए प्रति माह अमावस्या के समय ट्रेप्स कैप्स और लाईफ लाईन कैप्स का उपयोग करें।**

**2 जीवाणु जनित और फफूंद जनित रोगों की रोकथाम के लिए प्रति माह अमावस्या के समय इण्डोफा कैप्स और बैसिलस कैप्स का उपयोग करें।**

**3 अधिक बारिष या बादल होने पर इण्डोफा कैप्स और बैसिलस कैप्स का स्प्रे करें।**

**4 उचित दिन पर उत्पाद का प्रयोग करने के लिए पृष्ठ के पीछे की ओर देखें ।**

# जैव उत्पाद का उपयोग करने के लिए उचित तिथि

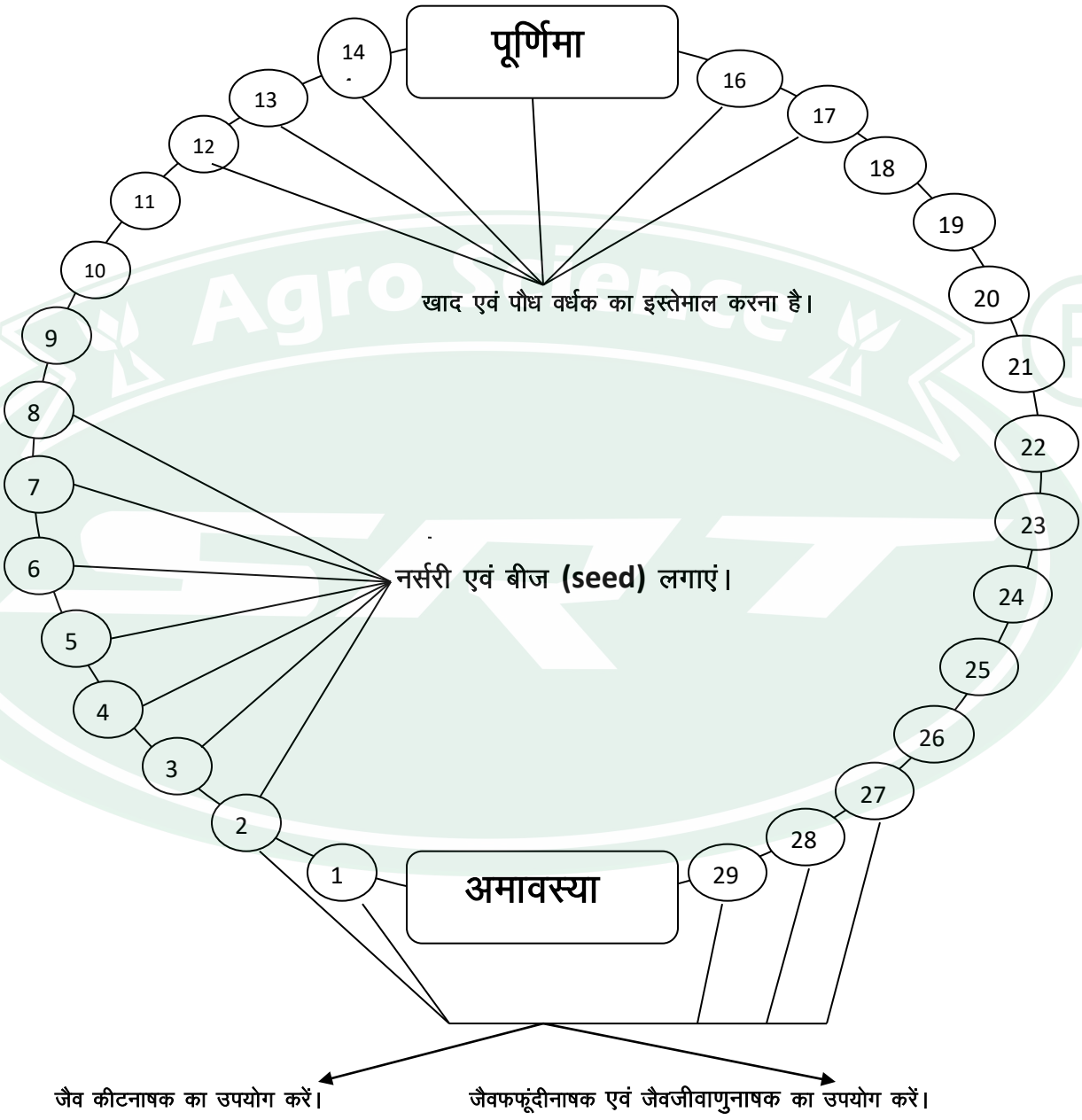


नोट :– 1 अचानक मौसम बदलने पर जैव फफूंदीनाशक एवं जैव जीवाणुनाषक का उपयोग करें।